

पाठ 8 पाठ

फुटबल खेला नुये अलोचना

आलि : कुरे, मोहनबागान आर
स्पष्टवेङ्गलेर सेमिफास्पनाल खेलौा
केमन देखलि?

रमेश : आमार तो दारुण लागल।
कालकेर खेलौा एस्प मरशुमेर
सबचेये डाल खेला छिल। दर्शकरा
सारारक्षण खेलौा उपडोग
करछिल। कारण बल कथनो
स्पष्टवेङ्गलेर दिके कथनो आवार
मोहनबागानेर दिके। तोर केमन
लागल?

आलि : आमि तो फि. डि.ते खेला
देखछिलाम। फि. डि.ा मारुे मारुे
गोलमाल करछिल। ताम्प खेला
देखे आनन्द पाछिलाम ना। तबे
एवार दुपम्प खुब डाल छिल।
केडु कारो चेये कम नय।

रमेश : ना, ता तुम्प किडारे बलछिस? दल
हिसाबे एवार स्पष्टवेङ्गल दल
मोहनबागानेर चेये अनेक डाल।
तबे ओदेर दुजन मुख्या

फुटबॉल खेल पर बातचीत

अली : क्यौं, मोहनबागान और ईस्टबंगाल
के बीच सेमिफाइनल खेल कैसा
लगा?

रमेश : मुझे तो बहुत अच्छा लगा। कल का
खेल इस मौसम का सबसे अच्छा
खेल था। दर्शकगणों ने पूरे समय
खेल का आनंद उठाया। क्यौंकि गेंद
कभी तो ईस्टबंगालकी ओर और
कभी मोहनबागान की ओर चली
जाती थी। तुझे कैसा लगा?

अली : मैं तो टी. वी. में खेल देख रहा था।
टी. वी. बीच-बीच में गड़बड़ कर रहा
था। इससे खेल देखने में मुझे आनंद
नहीं आया। फिर भी इस बार दोनों
पक्ष खूब अच्छे थे। कोई किसी से
कम नहीं था।

रमेश : नहीं, यह कैसे कहता है? दल के
हिसाब से इस बार का ईस्टबंगाल
(दल), मोहन-बागान की अपेक्षा
बहुत अच्छा था। लेकिन उनके दो
मुख्य खिलाड़ी बीमार थे। इसी से वे
मैदान में नहीं उतरे। इसलिए
ईस्टबंगाल (दल) अच्छा खेल नहीं
पा रहा था। खिलाड़ी मानसिक
दबाव में थे।

खेलोयाडम्प असुश्च छिल। ताम्प
 उरा माठे नामे नि। एम्प जन्ये
 म्पष्टवेम्पल भाल खेलते पारे नि।
 खेलोयाडेरा मानसिक चापे
 डुगछिल।

आलि : आच्छा, ि. त्रि.ते देखलाम,
 उत्ररदिके ग्यालारीते बेश
 गणुगोल हच्छिल। ब्यापारी कि?
 पुलिश दर्शकदेर मारछिल केन?

रमेश : म्पष्टवेम्पलेर किछु समर्थक नाचानाचि
 करछिल। तारा म्पष्टवेम्पलेर नामे
 म्प्लोगान दिच्छिल। कयेकजन तादेर
 थामते बलछिल। किछु तारा
 किछुतेम्प शनछिल ना। शेष पर्यत्र
 पुलिश एल। तखन तारा चुप
 करल।

आलि : चिमार कि हयेछिल? काल तो
 एकेवारेम्प खेलते पारछिल ना।

रमेश : चिमार हूँते ब्याथा छिल। ताम्प से
 भाल करे दौडाते पारछिल ना।
 मोहनबागानेर एकमात्र सुब्रतम्प
 भाल खेलछिल। कर्णार थेके

अली : अच्छा, टी. वी. में देखा था, उत्तर
 की ओर गैलरी में काफ़ी गड़बड़ हो
 रहा था। क्या मामला था? पुलिस
 दर्शकों को क्यों मार रही थी?

रमेश : ईस्टबंगाल के कुछ समर्थक नाच रहे
 थे। वे ईस्टबंगाल के नाम से नारे
 लगा रहे थे। कुछ लोग उन्हें रुकने
 को कह रहे थे। किन्तु वे कुछ भी
 नहीं सुन रहे थे। अंत में पुलिस
 आई। तब वे चुप हो गए।

अली : चीमा को क्या हो गया था? कल तो
 वह बिलकुल ही नहीं खेल पा रहा
 था।

रमेश : चीमा के घुटने में दर्द था। इसलिए
 वह ठीक से दौड़ नहीं पा रहा था।
 मोहनबागान का सिर्फ सुब्रत ही ठीक
 से खेल रहा था। कर्नर से सुब्रत का
 गोल सबसे अच्छा था। जो भी हो,
 मोहनबागान अंततः फाइनल में आ
 ही गया।

अली : चल, फाइनल खेल हम एक साथ
 देखते हैं।

रमेश : अच्छा, यही ठीक है।

सुरतर गौलीा सव थेके सुन्दर।
 यास्प होक्, मोहनबागान तो शेष
 पर्यन्त फास्पनाले उठल।

आलि : चल, फास्पनाल खेला आमरा
 एकसङ्गे देखते यास्प।

रमेश : बेश, ता ठिक रस्पल।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	अर्थ
दारुण	बहुत अच्छा
दर्शकरा	दर्शकगण
कखनओ	कभी भी
माबे	बीच में
गोलमाल, गणुगोल	गड़बड़
पक्क	पक्ष
दुजन	दोनों
खेलोयाड़	खिलाड़ी
असुख	अस्वस्थ, बीमार
माठे	मैदान में
नामे नि	उतरे नहीं
मानसिक	मानसिक
चापे	तनाव में, दबाव में
समर्थक	समर्थक

नाचानाचि	नाच, नृत्य
श्लोगान	नारा
पर्यत्त	पर्यत, तक
हूँते	घुटने में
याम्प होक्	जो भी हो
एकसङ्गे	एक साथ
रम्पल	रहा
खेला	खेल

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों से दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. सीता बांग्ला पढ़छिल । (लिखछिल, सुनछिल)
2. रमन दोकाले जिनिस किनछिल। (बम्प, कागज)
3. से तखन थाछिल। (पढ़छिल, लिखछिल)
4. तनि बम्प पढ़छिलेन। (पत्रिका, कागज)
5. आमि तखन हूँछिलाम। (दौड़ाछिलाम, बेरोछिलाम)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(लिखछिल, थाछिल, करछिलेन, किनछिलाम, बेड़ाछिलाम)

1. रमा बाजारे _____ ।

2. আমি তখন জিনিস _____ ।
3. সে সকালে _____ ।
4. আমি নদীর ধারে _____ ।
5. আপনি কি কাজ _____ ?

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমি তখন _____ । (বেড়ালাম,
বেড়াছিলাম)
2. সে সকালবেলা কাগজ _____ । (পড়ল, পড়ছিল)
3. আমরা তখন _____ । (খেলছিলাম, খেললাম)
4. তাঁরা তখন জিনিস _____ । (কিনছিল,
কিনল)
5. আপনি কি কাল সকালবেলা কাগজ _____ ? (পড়লেন,
পড়ছিলেন)

IV. उदाहरण के अनुसार वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :

से गेल।

से याँछिल।

1. আমি রবিবারে এম্প বস্পা পড়লাম।
2. রমা সেলাম্প করল।

3. সতীশ কাল কোথায় গেল?
4. আপনি কি কাগজ পড়লেন?
5. আমরা কাল রাতে বেড়ালাম।

V. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. সে নদীতে স্নান করল।
2. আমরা ঐ দোকানে খেলাম।
3. সুজাতা সেলাস্প করল।
4. আমি বস্পা পড়লাম।
5. তিনি কাগজ পড়লেন।

पढ़िए और समझिए :

সুকেশ চোর

সুটকেয়া চোর

অনেকদিন আগে আমি দিল্লী থেকে কোলকাতা যাচ্ছিলাম। ট্রেনে খুব ভীড় ছিল। তখন শীতকালের রাত্রিবেলা, সবাস্প ঘুমোচ্ছিল। আমিও ঘুমোচ্ছিলাম, হঠাৎ একা শব্দে আমার ঘুম ভাঙল। ট্রেনাও খুব জোরে যাচ্ছিল না, হয়ত কাছেস্প স্টেশন ছিল। আমি দেখলাম একজন লোক একা সুকেশ হাতে নিয়ে যাচ্ছে। আমার সন্দেহ হল। আমি চেষ্টালাম, সবাস্প উঠে পড়ল। তখন লোকা ছুল কিন্তু ট্রেন চলছিল। তাস্প সে নামতে পারল না। সবাস্প তাকে মারতে আরম্ভ করল কিন্তু আমি মারতে বারণ করলাম। মোগলসরাস্প স্টেশনে ট্রেন থামল। তখন আমরা কয়েকজন মিলে লোকাকে পুলিশের কাছে দিলাম। তারপর ট্রেন আবার ছাড়ল। ট্রেন ছেড়ে যাওয়ার পরও আমরা বহুক্ষণ ধরে সেস্প ঘনা নিয়ে আলোচনা করছিলাম।

शब्दार्थ

बंगला शब्द	अर्थ
याच्छिलाम	जा रहे थे
शीतकाल	जाड़ा
स्रवाष्प	सभी कोई, हर एक
हठांग	अचानक, एकाएक
शब्दे	आवाज़ से
घुम	नींद
हयत	हो सकता है
काछेष्प	पास में ही
देखलाम	देखा
सन्देह	संदेह, शक
चेचालाम	चिल्लाया
छूल	दौड़ा
चलछिल	जा रहा था
मारते	मारना
वारण	मना
थामल	रुकी, रुक गई
दिलाम	दिया

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. फ़ैर्नी कोथा थेके कोथाय याच्छिल?

2. রাত্রের টেনে কি ভাবে চোর ধরা পড়ল?
3. চোরকে কোন স্টেশনে পুলিশের কাছে দেওয়া হল?
4. চুরির সময়ে টেন কি জোরে যাচ্ছিল?
5. চুরির সময় অধিকাংশ যাত্রী কি করছিল?

II. उदाहरण के अनुसार नये शब्द बनाइए।

याँछि — याँछिलाम

1. करँछेन —
2. लिखँछि —
3. पड़ँछो —
4. घुमोँछेन —
5. टँचाँछि —

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

আমার বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রথম দিনের কথা মনে আছে। আমি প্রথমে বেশ ভয় পেয়েছিলাম। কারণ ছৌবেলা থেকেস্প বিশ্ববিদ্যালয়ে পড়ার সুপ্ত বাসনা আমার ছিল, আর বেশ অজানা ভয়ও ছিল। প্রথম দিন আমরা সব ছাত্রছাত্রী একত্রে জমা হয়েছিলাম আমাদেরস্প একটা শ্রেণীকক্ষে। অধ্যাপক, অধ্যাপিকাগণ এবং আমাদের আগের বছরের ছাত্রছাত্রীরা আমাদের অভ্যর্থনা জানান। সেস্প মুহূর্তেস্প আমাদের সবার জীবনের চরম মুহূর্তের সূচনা হয়ে গিয়েছিল। আমরা সবাস্প জীবনের ছৌ গণ্ডী ছেড়ে বৃহৎ জীবনে পদার্পণ করেছিলাম।

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

यात्रा के मध्य हम जेबकतरों और सामान चोरों से सावधान रहें। अक्सर, टिकट खरीदते समय कतार में खड़े रहने पर, रेलगाड़ी या बस पर चढ़ते समय अथवा अपनी बर्थ पर बैठते-सोते समय चोर आसानी से हमारा जेब काटते हैं। ऐसे ही समय हमारा सामान भी चोरी करते हैं। हमारी असावधानी से ही चोर हमारा धन और माल चोरी करते हैं। इसलिए यात्रा के समय हम सावधान रहें।

V. नीचे कुछ ऐसे शब्द दिए गए हैं, जो पाठ में नहीं आए हैं। ऐसे शब्दों को रेखांकित कीजिए।

दिल्ली	डाकात	झीड़	वर्षाकाल	घुमोच्छिल
सन्देश	जूता	चेचालाम	दाँड़ियेछिल	शीतकाल
चोर	शेष	त्रुकेश	वारण	मोगलप्रराप्प

VI. यात्रा के मध्य घटने वाली किसी अविस्मरणीय घटना पर एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में अपूर्ण भूत काल के क्रिया रूपों का प्रयोग किया गया है। धातु का अपूर्ण भूत कालिक क्रिया रूप बनाने के लिए उस धातु के अपूर्ण वर्तमान काल के (उत्तम) पुरुष वाचक के सम्पूर्ण रूप के पश्चात् 'ल' (-ल) लगाकर पुरुष वाचक प्रत्यय लगाए जाते हैं। जैसे :

आमि देखछिलाम	(देखछि + ल + आम)	मैं देख रहा था/रही थी
आपनि देखछिलेन	(देखछि + ल + एन)	आप देख रहे थे/रही थीं
तुमि देखछिले	(देखछि + ल + ए)	तुम देख रहे थे/रही थी
तुम्प देखछिलि	(देखछि + ल + ष्प)	तू देख रहा था/रही थी
तिनि, ष्पनि, उनि देखछिलेन	(देखछि + ल + एन)	वे देख रहे थे/रही थीं

से, उ, ए देखछिलो (देखछि + ल + उ) वह/यह देख रहा/रही था/थी

इस प्रकार के वाक्यों को निषेधात्मक बनाने के लिए क्रिया के बाद 'ना' (ना) जोड़ा जाता है। जैसे:

आमि देखछिलाम ना। मैं नहीं देख रहा था।

II. दो व्यक्तियों या वस्तुओं के मध्य तुलना के लिए जिससे अतिशय या कमी दिखानी होती है, उसमें संबंध वाचक (षष्ठी) विभक्ति लगाने के पश्चात 'चेये' (चेये) 'थेके' (थेके) आदि शब्दों का प्रयोग करते हैं। जैसे :

स्पष्टबेङ्गल दल मोहनबागानेर चेये अनेक डाल।

स्पष्टबेङ्गल दल मोहनबागानेर चाँपते अनेक डाल।

स्पष्टबेङ्गल दल मोहनबागानेर थेके अनेक डाल।

सर्वश्रेष्ठ के अर्थ में 'सबचेये' (सबचेये), 'सबथेके' (सबथेके) का प्रयोग किया जाता है।
जैसे :

सुत्रतर गौली सबचेये सुन्दर।

सुत्रतर गौली सबथेके सुन्दर।